

श्रीकृष्णावरील हिंदी पदे

पद २४६

(राग: झिंजोटी - ताल: दादरा)

नंदकुवर सांवरी कान्हा । बाँसुरी बजाई ॥ध्रु.॥ शुक सनक
व्यासमुनि ध्रुव पेहलाद नारदमुनि । बह गये सब प्रेमभाव देहसुध
बिसराई ॥१॥ चकित भये सबहि देव ब्रह्मविष्णुमहादेव ।
त्रिभुवनमो नाद भरे सुनत शेषशायी ॥२॥ बह रहे थिर जमुनानीर
डुल रहे बिमानि सूर । मानिकदास मगन बये हरि के गुन गायी ॥३॥